

फा. संख्या 6/09/2023-डीजीटीआर

भारत सरकार

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जांच शुरुआत अधिसूचना

मामला संख्या: एडी (ओआई) - 09/2023

दिनांक: 29 सितम्बर 2023

विषय: चीन जन.गण. में मूलतः अथवा वहां से निर्यातित "आइसोप्रोपिल एल्कोहॉल" के आयात के संबंध में पाटन रोधी जांच की शुरुआत।

फा. संख्या 6/09/2023-डीजीटीआर - मेसर्स दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जिसे बाद में "आवेदक" के रूप में संदर्भित किया गया है) ने 1995 और उसके बाद यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिस आगे 'अधिनियम' भी कहा गया है) समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "एडी नियमावली" भी कहा गया है) के नियमों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद 'प्राधिकरण' के रूप में संदर्भित) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन.गण. (इसके बाद "विषय देश" के रूप में संदर्भित) से उत्पन्न या निर्यात किए गए "आइसोप्रोपिल अल्कोहल" (इसके बाद 'विचाराधीन उत्पाद' या 'विषय वस्तुओं' या 'आईपीए' के रूप में संदर्भित) के आयात पर पाटन रोधी जांच शुरू करने की मांग करता है।

2. आवेदक ने आरोप लगाया है कि संबंधित देश से उत्पन्न या निर्यात किए गए कथित पाटित आयात के कारण घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हो रही है और संबंधित देश से विषय वस्तुओं के आयात पर पाटन रोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

क. विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद आइसोप्रोपिल अल्कोहल है।

4. आईपीए रासायनिक सूत्र $\text{CH}_3\text{CHOHCH}_3$ के साथ एक यौगिक है। यह एक मजबूत गंध के साथ एक रंगहीन, ज्वलनशील तरल है। इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के औद्योगिक और घरेलू रसायनों के निर्माण के लिए किया जाता है और थोक दवाओं और दवा योगों के उत्पादन में प्रमुख अनुप्रयोगों को पाता है जो दवा निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। इसका उपयोग एंटीसेप्टिक्स, कीटाणुनाशक और डिटर्जेंट जैसे रसायनों में सामान्य घटक के रूप में भी किया जाता है। उत्पाद को परिभाषित करने वाले आवश्यक पैरामीटर इसकी प्रतिशत शुद्धता, विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण, अवशिष्ट अशुद्धियां, पानी की मात्रा और अपवर्तक सूचकांक हैं।
5. विचाराधीन उत्पाद को सीमा शुल्क टैरिफ वर्गीकरण के एचएस कोड 2905 12 20 के तहत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और प्रस्तावित जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
6. वर्तमान जांच के पक्षकार पीयूसी पर अपनी टिप्पणियां प्रदान कर सकते हैं और इस जांच शुरूआत अधिसूचना के पैराग्राफ 24 में दर्शाए गए अनुसार प्राधिकरण के समक्ष दायर दस्तावेजों के गैर-गोपनीय संस्करण के प्रसार के 15 दिनों के भीतर पीसीएन, यदि कोई हो, का प्रस्ताव कर सकते हैं।

ख. समान वस्तु

7. आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित विषय वस्तु में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है और दोनों समान वस्तुएं हैं। आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद आवश्यक उत्पाद विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन और माल के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का परस्पर उपयोग कर सकते हैं और कर रहे हैं। दोनों तकनीकी और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं, और इसलिए नियमों के तहत इन्हें 'समान वस्तु' के रूप में माना जाना चाहिए। इस प्रकार वर्तमान जांच की शुरूआत के प्रयोजनों के लिए आवेदक द्वारा उत्पादित वस्तु को प्रथम दृष्टया चीन जन. गण. से आयात किए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

ग. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

8. आवेदन मेसर्स दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक के अलावा भारत में एक अन्य उत्पादक है अर्थात् मेसर्स दीपक फेनोलिक्स लिमिटेड जिसने आवेदक द्वारा दायर तत्काल आवेदन का समर्थन किया है। आवेदक और मेसर्स दीपक फेनोलिक्स लिमिटेड भारत में विचाराधीन उत्पाद के केवल दो उत्पादक हैं। उनका उत्पादन भारत में कुल घरेलू उत्पादन का 100% है।
9. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण नोट करता है कि आवेदक एडी नियमों के नियम 2 (बी) के अर्थ के भीतर 'घरेलू उद्योग' का गठन करता है और आवेदन एडी नियमों के नियम 5 (3) के संदर्भ में स्थायित्व के मानदंडों को पूरा करता है।

घ. संबद्ध देश

10. वर्तमान जांच में विषय देश चीन जन. गण. है।

ड जांच की अवधि

11. जबकि आवेदक ने जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक जांच की अवधि (पीओआई) प्रस्तावित की है, प्राधिकरण ने जांच के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल 2022 से मार्च 2023 (12 महीने) तक अपनाई है। क्षति की जांच 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020, 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021, 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 और पीओआई के लिए प्रस्तावित है।

च. प्रक्रिया

12. इस जांच में एडी नियमों के नियम 6 में निर्धारित प्रावधानों का पालन किया जाएगा।

छ. कथित पाटन के लिए आधार

चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य

13. आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और चीन जन. गण. के उत्पादकों को यह प्रदर्शित करने के लिए निर्देशित किया जाना चाहिए कि विषय वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री के संबंध में उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति प्रबल है। जब तक चीन जन. गण. के उत्पादक यह नहीं दिखाते हैं कि

ऐसी बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति प्रबल है तब तक उनके सामान्य मूल्य को पाटनरोधी नियम, 1995 के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

14. इसलिए जांच शुरू करने के उद्देश्य से आवेदक की उत्पादन लागत के अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण किया गया है, जो उचित लाभ मार्जिन के साथ बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों के साथ विधिवत समायोजित है।

निर्यात कीमत

15. डीजीसीआईएस द्वारा उपलब्ध कराए गए लेनदेन-वार आयात आंकड़ों पर विचार करके संबंधित देश से विषय वस्तुओं के निर्यात मूल्य का अनुमान लगाया गया है। शुद्ध निर्यात मूल्य पर पहुंचने के लिए बंदरगाह व्यय, अंतर्देशीय माल ढुलाई, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, बैंक कमीशन ऋण लागत के कारण मूल्य समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन

16. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य की तुलना एक्स-फैक्ट्री स्तर पर की गई है जो प्रथम दृष्टया स्थापित करता है कि चीन जन. गण. से आयातित विषय वस्तुओं के संबंध में पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से ऊपर है। इस प्रकार इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद को चीन जन. गण. के निर्यातकों द्वारा भारत के घरेलू बाजार में पाटित किया जा रहा है।

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध

17. आवेदक ने पाटित किए गए आयात के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रदान किया है। संबद्ध देश से संबद्ध आयात की मात्रा पूर्ण और सापेक्ष दृष्टि से महत्वपूर्ण है। समग्र रूप से संबद्ध देश से कीमत में कटौती सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। घरेलू उद्योग का उत्पादन घटा है और घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। पाटित किए गए आयात के कारण कीमत में गिरावट और अवसाद घरेलू उद्योग को पूरी लागत वसूलने और रिटर्न की उचित दर हासिल करने के लिए अपनी कीमतें बढ़ाने से रोक रहा है। घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी उस मांग से कम है जिसे वह पूरा कर सकता है। संबद्ध आयातों का घरेलू उद्योग के लाभप्रदता मापदंडों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जिसके कारण नकद लाभ, पीबीआईटी और आरओसीई में बहुत महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है। घरेलू उद्योग की वस्तुसूची स्तर में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

झ. पाटन रोधी जांच की शुरुआत

18. आवेदक द्वारा प्रस्तुत विधिवत प्रमाणित लिखित आवेदन के आधार पर और आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर संबंधित देश में उत्पन्न या निर्यात किए गए उत्पाद के पाटन के संबंध में प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के आधार पर विषय वस्तुओं की कथित पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को परिणामी नुकसान और इस तरह की क्षति और पाटन किए गए आयात के बीच कारण संबंध, और अधिनियम की धारा 9ए के अनुसार जिसे एडी नियमों के नियम 5 के साथ पढ़ा जाता है प्राधिकरण इसके द्वारा संबंधित देश में उत्पन्न या निर्यात किए जाने वाले विचाराधीन उत्पाद के संबंध में पाटन के अस्तित्व, डिग्री और प्रभाव को निर्धारित करने और पाटन रोधी शुल्क की उचित मात्रा की सिफारिश करने के लिए एक पाटन रोधी जांच शुरू करता है। जो यदि लगाया जाता है, तो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

अ. सूचना प्रस्तुत करना

19. निर्दिष्ट प्राधिकारी को भेजे जाने वाले सभी पत्र ई-मेल पत्तों dd11-dgtr@gov.in और dd16-dgtr@gov.in पर तथा उनकी एक प्रति adg14-dgtr@gov.in और adv13-dgtr@gov.in को भेजी जानी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अनुरोध का वर्णनात्मक हिस्सा पीडीएफ/एमएस वर्ड फॉर्मेट में और आंकड़ों की फाइल एम एस एक्सल फॉर्मेट में खोजे जाने योग्य हो।
20. संबंधित देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में अपने दूतावास के माध्यम से संबंधित देश की सरकार और भारत में आयातकों और उपयोगकर्ताओं, जो विषय वस्तुओं से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं, को अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे इस जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लिखित समय सीमा के भीतर सभी प्रासंगिक जानकारी दर्ज कर सकें। ऐसी सभी जानकारी इस जांच शुरुआत अधिसूचना, नियमों और प्राधिकरण द्वारा जारी लागू व्यापार नोटिस द्वारा निर्धारित फॉर्म और तरीके से दायर की जानी चाहिए।
21. कोई अन्य इच्छुक पक्षकार भी इस जांच शुरुआत अधिसूचना, नियमों और प्राधिकरण द्वारा जारी लागू व्यापार नोटिसों द्वारा निर्धारित प्रपत्र और तरीके से इस दीक्षा अधिसूचना में उल्लिखित समय सीमा के भीतर वर्तमान जांच से संबंधित एक प्रस्तुति दे सकता है।
22. प्राधिकरण के समक्ष कोई भी गोपनीय प्रस्तुति देने वाले किसी भी पक्ष को अन्य इच्छुक पक्षों को इसका एक गैर-गोपनीय संस्करण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

23. इच्छुक पार्टियों को आगे निर्देशित किया जाता है कि वे व्यापार उपचार महानिदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट (<https://www.dgtr.gov.in/>) को नियमित रूप से देखते रहें और जानकारी के साथ-साथ आगे की जाँच पड़ताल प्रक्रियाओं से अवगत रहें।

ट. समय सीमा

24. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना निर्दिष्ट प्राधिकारी को ईमेल पतों dd11-dgtr@gov.in और dd16-dgtr@gov.in तथा adg14-dgtr@gov.in और adv13-dgtr@gov.in को एक प्रति के साथ प्राधिकारी द्वारा आवेदक के आवेदन के गैर-गोपनीय संस्करण को परिचालित किए जाने अथवा एडी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्यातक देश के उचित राजनयिक प्रतिनिधि को प्रेषित किए जाने की तारीख से 30 दिनों के भीतर ईमेल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए। यदि विहित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी होती है तो प्राधिकारी एडी नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।
25. सभी इच्छुक पार्टियों को सलाह दी जाती है कि वे तत्काल मामले में अपनी रुचि (हित की प्रकृति सहित) बताएं और इस अधिसूचना में निर्धारित उपरोक्त समय सीमा के भीतर अपने प्रश्नावली के जवाब दाखिल करें।
26. जहां कोई इच्छुक पक्ष प्रस्तुतियाँ दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगता है, उसे एडी नियम, 1995 के नियम 6(4) के संदर्भ में ऐसे विस्तार के लिए पर्याप्त कारण प्रदर्शित करना होगा और ऐसा अनुरोध इस अधिसूचना में निर्धारित समय के भीतर आना चाहिए।

ठ. गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

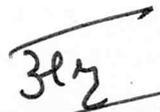
27. जहां वर्तमान में कोई पक्षकार गोपनीय अनुरोध करता है या प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय आधार पर सूचना देता है, वहां उसे एडी नियमावली के नियम 7(2) के अनुसार और इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा जारी की गई संगत व्यापार सूचनाओं के अनुसार ऐसी सूचना का अगोपनीय अंश साथ में प्रस्तुत करना अपेक्षित है।
28. ऐसे अनुरोध पर प्रत्येक पृष्ठ पर 'गोपनीय' या 'अगोपनीय' स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्राधिकारी को किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा "अगोपनीय" सूचना माना जाएगा और प्राधिकारी को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसे अनुरोध का निरीक्षण करने की अनुमति देने की स्वतंत्रता होगी।

29. गोपनीय संस्करण में वे सभी जानकारी शामिल होंगी, जो प्रकृति से, गोपनीय और / या अन्य जानकारी है, जिसे ऐसी जानकारी का आपूर्तिकर्ता गोपनीय के रूप में दावा करता है। ऐसी जानकारी के लिए जिसे प्रकृति से गोपनीय होने का दावा किया जाता है, या जिस जानकारी पर अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा किया जाता है, सूचना के आपूर्तिकर्ता को प्रदान की गई जानकारी के साथ एक अच्छा कारण विवरण प्रदान करना आवश्यक है कि ऐसी जानकारी का खुलासा क्यों नहीं किया जा सकता है।
30. इच्छुक पक्षों द्वारा दायर की गई जानकारी का गैर-गोपनीय संस्करण गोपनीय संस्करण की प्रतिकृति होना चाहिए, जिसमें गोपनीय जानकारी अधिमानतः अनुक्रमित या रिक्त की गई हो (जहां अनुक्रमण संभव नहीं है) और ऐसी जानकारी को उस जानकारी के आधार पर उचित और पर्याप्त रूप से संक्षेप में किया जाना चाहिए जिस पर गोपनीयता का दावा किया गया है।
31. गैर-गोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तार में होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी के सार की उचित समझ हो सके। हालांकि असाधारण परिस्थितियों में गोपनीय जानकारी प्रस्तुत करने वाला पक्ष यह संकेत दे सकता है कि ऐसी जानकारी सारांश के लिए अतिसंवेदनशील नहीं है और नियम 1995 के नियम 7 के संदर्भ में पर्याप्त और पर्याप्त स्पष्टीकरण वाले कारणों का एक बयान, और प्राधिकरण द्वारा जारी उचित व्यापार नोटिस, कि ऐसा सारांश क्यों संभव नहीं है, प्राधिकरण की संतुष्टि के लिए प्रदान किया जाना चाहिए।
32. इच्छुक पक्ष इस जांच शुरुआत अधिसूचना के पैराग्राफ 24 में दर्शाए गए दस्तावेजों के गैर-गोपनीय संस्करण के प्रसार की तारीख से 7 दिनों के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई गोपनीयता के मुद्दों पर अपनी टिप्पणियां दे सकते हैं।
33. सार्थक अगोपनीय अंश के बिना किया गया कोई अनुरोध या एडी नियमावली, 1995 के नियम 7 और प्राधिकारी द्वारा जारी उचित व्यापार सूचनाओं के अनुसार गोपनीय दावे संबंधी किसी अनुरोध को पर्याप्त और पूरे कारणों के विवरण के बिना प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।
34. प्राधिकारी प्रस्तुत सूचना की प्रकृति की जांच करने पर गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है। यदि प्राधिकरण संतुष्ट है कि गोपनीयता के लिए अनुरोध आवश्यक है या यदि जानकारी का आपूर्तिकर्ता या तो जानकारी को सार्वजनिक करने या सामान्यीकृत या सारांश रूप में इसके प्रकटीकरण को अधिकृत करने के लिए तैयार नहीं है, तो वह ऐसी जानकारी की अवहेलना कर सकता है।

35. प्रदान की गई जानकारी की गोपनीयता की आवश्यकता को संतुष्ट होने और स्वीकार करने पर प्राधिकारी ऐसी जानकारी प्रदान करने वाले पक्ष के विशिष्ट प्राधिकरण के बिना किसी भी पक्ष को इसका खुलासा नहीं करेगा।
36. पंजीकृत इच्छुक दलों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी जिसमें उन सभी को अनुरोध किया जाएगा कि वे अपनी प्रस्तुतियों के गैर-गोपनीय संस्करण और अन्य जानकारी को अन्य सभी इच्छुक पक्षों को ईमेल करें।

ड. असहयोग

37. यदि कोई इच्छुक पक्ष इस प्रारंभिक अधिसूचना में प्राधिकरण द्वारा निर्धारित समय के भीतर या उचित अवधि के भीतर या अन्यथा आवश्यक जानकारी प्रदान नहीं करता है, या बाद में अलग-अलग संचार के माध्यम से प्रदान की गई समय अवधि में आवश्यक जानकारी प्रदान नहीं करता है, या जांच में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डालता है तो प्राधिकरण ऐसे इच्छुक पक्ष को गैर-सहयोगी घोषित कर सकता है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को रिकॉर्ड कर सकता है और केंद्र सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकता है। जैसा कि यह उचित लगता है।


(अनन्त स्वरूप)
निर्दिष्ट प्राधिकारी